अध्याय- चतुर्थ
प्रदंतो का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय- चतुर्थ

प्रदंतो का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना

इस शोध अध्ययन का उद्देश्य है कि समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन

प्रस्तुत शोध कार्य मे शोधार्थी दवारा समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षको की अभिवृत्ति को ज्ञात करने के लिये नीति, अध्ययन और माहौल पर आधारित कुछ कथनो को तैयार किया गया जिसमे पुरुष शिक्षक एवं महिला शिक्षक की अभिवृत्ति पर आधारित प्रदंतो का संकलन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन मे t-test का उपयोग कर प्रदंतो का विश्लेषण किया गया है। इस शोध अध्ययन मे एक परिकल्पना की गयी है। जिसकी जांच करने के लिये शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गयी है।

4.2 परिकल्पना का विश्लेषण

परिकल्पना के आधार पर प्रदंतो का विश्लेषण किया गया है।

समावेशी शिक्षा के प्रति पुरुष एवं महिला शिक्षको की अभिवृत्ति मे सार्थक अंतर नही है। इस परिकल्पना का परीक्षण करने हेतू t-test का उपयोग किया गया।

4.2.1 नीति आधारित

क्र.	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	df	t	सार्थकता स्तर
01	पुरुष	19	43.36	4.56	68	.582	सार्थकता नही है। 0.05
02	महिला	51	44.13	5.03			

सारणी क्रमांक 4.2.1 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि **Ho** शून्य परिकल्पना के संदर्भ मे सार्थकता के स्तर .05 पर **t** का मान .582 है जो कि सारणी मे 68 **df** पर दिये गये मान 2.00 से कम है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। जिसका अभिप्राय है कि पुरुष और महिला शिक्षको में समावेशी शिक्षा के प्रति सार्थकता अंतर नही है।

4.2.2 नीति लेखाचित्र

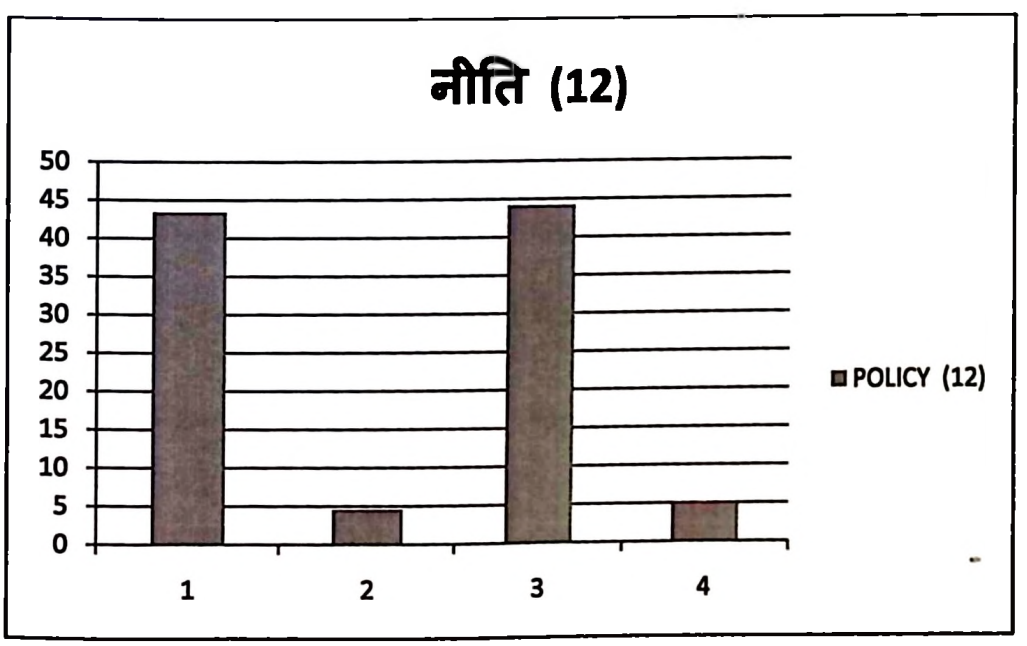

सारणी 4.2.2 समस्त पुरुष तथा महिला अध्यापको के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाता है, जिसमे सारणी दवारा पता चलता है कि नीति पर आधारित अध्ययन मे कोई सार्थक अंतर नही है।

अतः पुरुष और महिला शिक्षको की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति समान है।

4.2.3 अभ्यास आधारित

क्र.	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	df	t	सार्थकता स्तर
01	पुरुष	19	54.21	5.25	68	2.066	सार्थकता है। 0.05
02	महिला	51	51.47	4.81			

सारणी क्र. 4.2.3 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि **Ho** शून्य परिकल्पना के संदर्भ मे सार्थकता के स्तर .05 पर **t** का मान 2.066 है जो कि सारणी मे 68 **df** पर दिये गये मान 2.00 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। जिसका अभिप्राय है कि पुरुष और महिला शिक्षको में समावेशी शिक्षा के प्रति सार्थक अंतर है।

पुनः सारणी 4.2.3 देखने पर दिए गए मध्यमान से पता चलता है कि पुरुष शिक्षको का मान महिला शिक्षको के मान से समावेशी शिक्षा के प्रति अधिक है।

अतः पुरुष शिक्षको की अभिवृत्ति महिला शिक्षको की अपेक्षा समावेशित शिक्षा के प्रति अधिक है।

परिकल्पना स्वीकार की जाती है जिसका अभिप्राय है कि पुरुष और महिला शिक्षक में समावेशी शिक्षा के प्रति सार्थक अंतर नही है।

4.2.6 माहौल आधारित लेखाचित्र

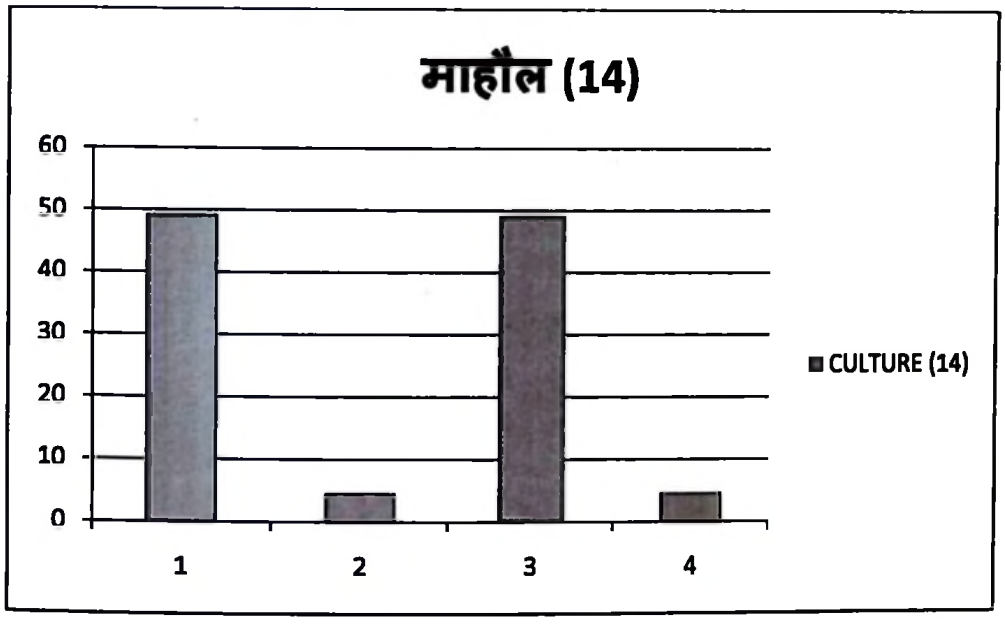

सारणी 4.2.6 समस्त पुरुष तथा महिला अध्यापको के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाता है, जिसमे सारणी दवारा पता चलता है कि माहौल पर आधारित अध्ययन मे कोई सार्थक अंतर नही है।

अतः पुरुष और महिला शिक्षको की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति समान है।

4.2.7 अभिवृत्ति

क्र.	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	df	t	सार्थकता स्तर
01	पुरुष	19	146.84	11.34	68	.637	सार्थकता नही है। 0.05
02	महिला	51	144.76	12.40			

सारणी क्र. 4.2.7 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि **Ho** शून्य परिकल्पना के संदर्भ में सार्थकता के स्तर .05 पर **t** का मान .637 है जो कि सारणी मे 68 **df** पर दिए गये मान 2.00 से कम है

अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है जिसका अभिप्राय है कि पुरुष और महिला शिक्षक में समावेशी शिक्षा के प्रति सार्थकता अंतर नही है।

4.2.8 कुल अभिवृत्ति लेखाचित्र

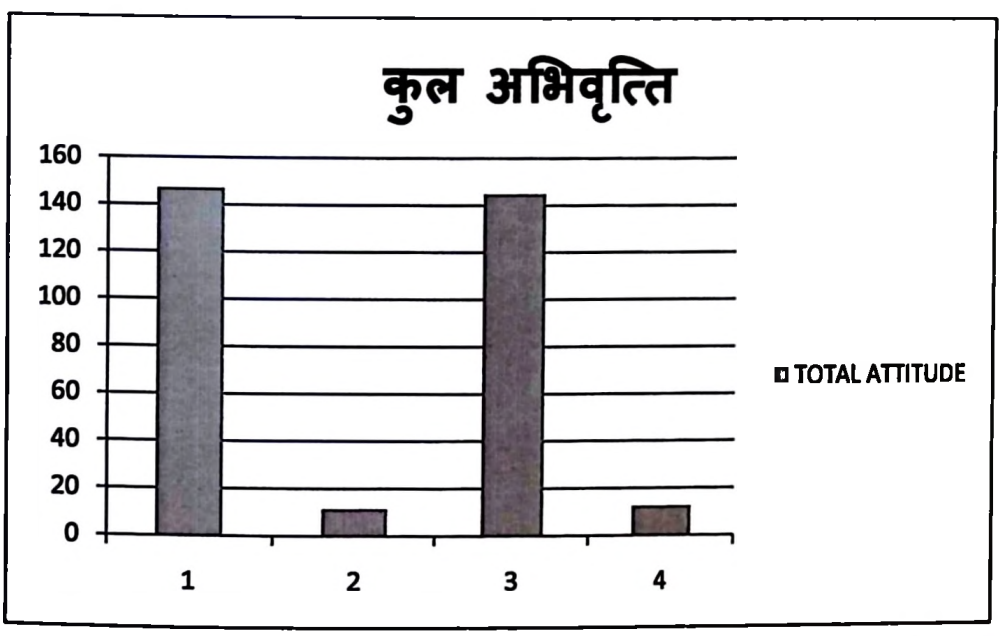

सारणी 4.2.8 समस्त पुरुष तथा महिला अध्यापको के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाता है, जिसमे सारणी दवारा पता चलता है कि कुल अभिवृत्ति पर आधारित अध्ययन मे कोई सार्थक अंतर नही है। अतः पुरुष और महिला शिक्षको की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति समान है।

4.2.9 संपूर्ण लेखाचित्र

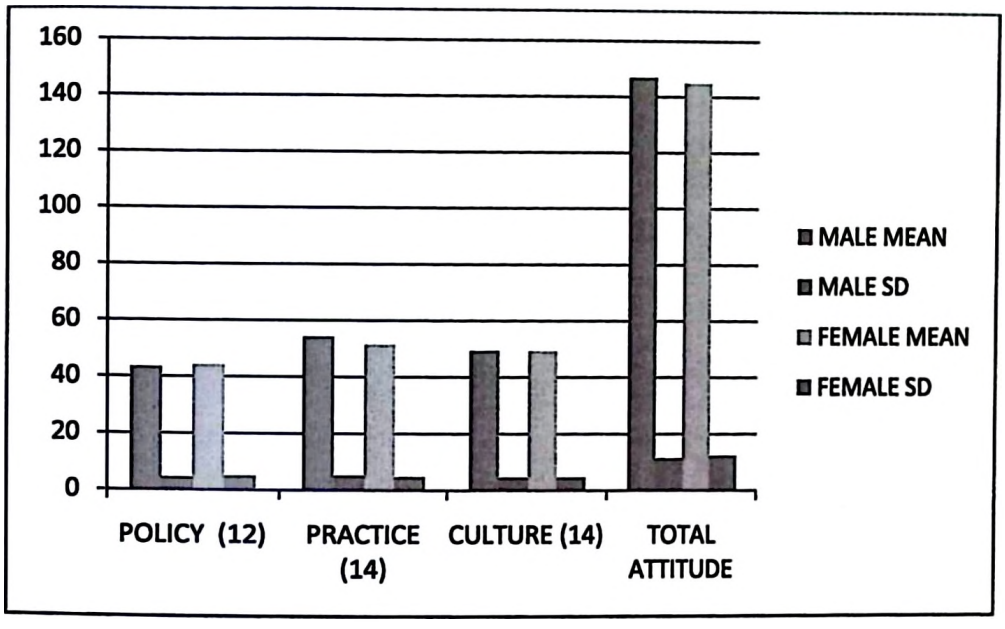

सारणी 4.2.9 सारणी क्र. 4.2.7 का अवलोकन करने पर समस्त पुरुष तथा महिला अध्यापको का समावेशी शिक्षा के प्रति नीति, अभ्यास, तथा माहौल के प्रति अभिवृत्ति को दर्शाता है। जिसमे यह लेखाचित्र दवारा पता चलता है कि नीति पर आधारित अध्ययन मे कोई सार्थक अंतर नही है। और अभ्यास पर आधारित अध्ययन मे सार्थक अंतर है, जिसमे पुरुष शिक्षको की अभिवृत्ति महिला शिक्षको की अभिवृत्ति से अधिक है। तथा माहौल पर आधारित अध्ययन से पता चलता है कि पुरुष शिक्षको और महिला शिक्षको की अभिवृत्ति मे सार्थक अंतर नही है। अतः पुरुष और महिला शिक्षको की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मे सार्थक अंतर नही है।